

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
13.08.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 5075

परमाणु ऊर्जा का उत्पादन

5075. श्री बी. श्रीरामलु :

श्री विनायक भाऊराव राउत :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान परमाणु विद्युत संयंत्रों द्वारा विद्युत का कितना उत्पादन किया गया और 12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अंत तक क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;
- (ख) क्या कुछ परमाणु विद्युत संयंत्र अपनी इष्टतम क्षमता के अनुसार विद्युत उत्पादन नहीं कर रहे हैं;
- (ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और
- (घ) विदेशी सहयोग से स्थापित किए जा रहे परमाणु संयंत्रों का ब्यौरा क्या है और इन संयंत्रों की क्षमता, इनमें किये गए निवेश का ब्यौरा क्या है और इन संयंत्रों द्वारा कब तक कार्य आरम्भ किए जाने की संभावना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष में, और चालू वर्ष में बिजलीघरों से हुआ विद्युत उत्पादन नीचे दिए अनुसार है :

वर्ष	मिलियन यूनिट में उत्पादन (एमयूज) (निकटतम अंक तक पूर्णांकित)
2011-12	32455
2012-13	32863
2013-14	35333*
2014-15 (31 जुलाई, 2014 तक)	12682**

* इसमें केकेएनपीपी-1 से हुआ 1106 मिलियन यूनिट अनिश्चित विद्युत उत्पादन शामिल है।

** इसके केकेएनपीपी-1 से हुआ 1519 मिलियन यूनिट अनिश्चित विद्युत उत्पादन शामिल है।

XIIवीं पंचवर्षीय योजना में परमाणु बिजलीघरों के माध्यम से विद्युत उत्पादन के लिए निर्धारित लक्ष्य 241748 मिलियन यूनिट है।

- (ख) दस नाभिकीय बिजलीघर, नामतः कैगा कर्नाटक में कैगा उत्पादन केन्द्र (केजीएस) यूनिट 1 से 4; नरोरा, उत्तर प्रदेश में नरोरा परमाणु बिजलीघर (एनएपीएस) यूनिट 1 तथा 2; कलपाक्कम, तमिलनाडु में मद्रास परमाणु बिजलीघर (एमएपीएस) यूनिट 1 तथा 2; तथा तारापुर, महाराष्ट्र में तारापुर परमाणु बिजलीघर (टीएपीएस) यूनिट 3 तथा 4, स्वदेशी यूरेनियम को काम में लाते हैं। स्वदेशी यूरेनियम की माँग और आपूर्ति के बीच बेमेलता की वजह से, इन रिएक्टरों द्वारा उत्पादित कुल बिजली, उनकी 2840 मेगावाट की सकल स्थापित क्षमता से सामान्यतः कम होती है। देश में यूरेनियम के अन्वेषण और निष्कर्षण के बाद, देश में यूरेनियम के ज्ञात स्वस्थाने भंडारों में क्रमिक रूप से वृद्धि होती रही है।

- (घ) XIIवीं पंचवर्षीय योजना के प्रस्तावों के अंतर्गत, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर आधारित निम्नलिखित नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के संबंध में काम शुरू करने की परिकल्पना की गई है :

कुडनकुलम यूनिट-3 तथा 4, तमिलनाडु	2 x 1000
जैतापुर यूनिट-1 तथा 2, महाराष्ट्र	2 x 1650
कोव्वाडा यूनिट-1 तथा 2, आंध्र प्रदेश	2 x 1500
छाया मीठी विरदी यूनिट-1 तथा 2, गुजरात	2 x 1100

कुडनकुलम, तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्रों (केकेएनपीपी) यूनिट 3 तथा 4 के मामले में, सरकार द्वारा प्रशासनिक अनुमोदन तथा वित्तीय संस्वीकृति प्रदान कर दी गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, इस परियोजना को, 39849 करोड़ रुपए की लागत से नवम्बर, 2020 तक पूरा कर लिया जाएगा।

शेष परियोजनाओं के संबंध में लागत, समय संबंधी कार्यक्रम और अन्य संबद्ध पहलुओं के बारे में वर्तमान में विचार-विमर्श किया जा रहा है, और इन परियोजनाओं को XIII/XIVवीं पंचवर्षीय योजनाओं में क्रमिक रूप से पूरा किए जाने की योजना है।

* * * * *